उत्तराखंड में सिल्क्यारा सुरंग

चर्चा में क्यों?

16 अप्रैल, 2025 को उत्तराखंड में 4.53 किमी. लंबी **सिल्क्यारा सुरंग** की खुदाई पूरी हो गई, जिसका **नाम स्थानीय देवता बाबा बौखनाग के नाम पर रखा गया।**

मुख्य बिंदु

- **मंदिर का उद्घाटन:**
  - राज्य के **मुख्यमंत्री** ने सिल्क्यारा सुरंग के मुहाने पर **बाबा बौखनाग मंदिर का उद्घाटन किया।**
  - उन्होंने सुरंग निर्माण में हुई सफलता को **उन्नत इंजीनियरिंग, विश्वास और समर्पण का प्रतीक बताया।**
  - सुरंग के निर्माण का कार्य **राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (NHIDCL)**, जो **सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**, भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है, द्वारा **हैदराबाद स्थित नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी को सौंपा गया था।**
- **चार धाम संपर्क और सामरिक महत्त्व:**
  - यह डबल लेन सुरंग, **चारधाम बारहमासी सड़क परियोजना का हिस्सा है** तथा एक प्रमुख **बुनियादी ढाँचा** परियोजना है।
  - 1,384 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली इस **सुरंग से गंगोत्री और यमुनोत्री के बीच की दूरी 25 किलोमीटर कम हो जाएगी**, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में सुधार होगा।

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना।
  - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित: भगवान शिव।**
  - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
  - भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **स्थान:** चमोली ज़िला।
  - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
  - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/silkyara-tunnel-in-uttarakhand